बैठकें न बुलाये जाने के क्या कारण हैं ;

(ख) गैर-सरकारी सदस्यों को राज भाषा क्रियान्वयन समितियों में पर्यवेक्षकों के रूप में सम्मिलित न करने के क्या कारण हैं ;

(ग) हिन्दी के प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए उसने गत वर्ष मंत्रालय के अधीन कितने कार्यालयों/अधीनस्थ कार्यालयों का निरीक्षण किया तथा शेष कार्यालयों का निरीक्षण कब तक पूरा हो जायेगा, और

(घ) क्या यह सच है कि विभाग पिछले पांच वर्षों से हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से सम्बन्धित वार्षिक कार्यक्रम को क्रियान्वित नहीं कर रहा है, यदि हां, तो इसके क्या कारण है ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) पिछले वर्ष रक्षा मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति की तीन बैठकें हुई हैं । चौथी बैठक का आयोजन नहीं किया जा सका ।

(ख) रक्षा मंत्रालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति में एक गैर-सरकारी सदस्य प्रेक्षक के रूप मे पहले से ही नामित है ।

(ग) वर्ष 1983–84 के दौरान रक्षा मंत्रालय के अधीन 101 कार्यालयों का निरीक्षण किया गया । अन्य कार्यालयों/यूनिटों का निरीक्षण यथाशीघ्र करने के प्रयास किए जा रहे हैं ।

(घ) रक्षा मंत्रालय के हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के सम्बन्ध में तैयार किये गये वार्षिक कार्यक्रम को कार्यान्वित करने में कुछ कमियां रह गई हैं । निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं ।

Increase in Demand of Sea Shells in U.S.A., Europe and Japan

202. SHRI M. BASAVARAJU: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a news item which appeared in the Statesmant of 29th May, 1984 to the effect that Sea Shells were one of the hottest export items and demand for the same has increased in USA, Europe and Japan; and

(b) if so, what steps Government propose to take with a view to make a dent in the international market for the said item in a big way?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND IN THE DEPARTMENT OF SUPPLY (SHR NIHAR RANJAN LASKAR): (a) Yes, Sir.

(b) Sea Shells constitute less than one percent of the Indian exports of marine products. No special measures have been taken to boost the exports of this commodity, but exports of marine products including sea-shells benefit from the Trade Promotion Offices of the Marine Products Export Development Authority in Japan and USA, participation in trade fairs, advertisements in leading journals in important markets, exchange of delegations etc.

Tourism Publicity Material on Mahatma Gandhi

203. SHRI M. BASAVARAJU: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government have prepared publicity material on Mahatma Gandhi for use in overseas tourist offices to promote tourism in view of the success of the film 'Gandhi'; and

(b) if so, the extent to which the same has helped in promoting foreign tourism?